A–0123

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL 506

एम. ए. हिन्दी (MAHL)

मध्यकालीन कविता (भाग दो)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भक्तिकाल की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
2. घनानन्द के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।
3. केशव के प्रकृति वर्णन पर प्रकाश डालिए।
4. रीतिकालीन कविता के नामकरण की समस्या पर विस्तार से विचार कीजिए।
5. घनानन्द द्वारा वर्णित प्रेम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. केशवदास की कविता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
2. अर्थ बताइए–

   "करौ कोटि अपराध तुम वाके हिये न रोष।

   नाह-सनेह-समुद्र में बूड़ि जात सब दोष॥"
3. केशव के संवादों की तीन विशेषताएं लिखिए।
4. घनानन्द की विरह भावना पर प्रकाश डालिए।
5. बिहारी के नीतिपरक दोहों में व्यक्त विचारों को अपने शब्दों में संक्षेप में लिखिए।
6. मीराबाई का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

7. अर्थ बताइए–

"केशव ये मिथिलाधिप हैं जग में जिन कीरति-बेल बई है।

दान-कृपा-विधानन सों सिगरी वसुधा जिन हाथ लई है।

8. दोहा छंद की दो विशेषताएं लिखिए।

****